शेख़ फ़रीद – सबद ८६

फरीदा उमर सुहावड़ी संगि सुवंनड़ी देह ॥

सलोक, गुरु अर्जन, गुरु ग्रंथ साहिब, १३८२

फरीदा उमर सुहावड़ी संगि सुवंनड़ी देह ॥
विरले केई पाईअनि जिंन्हा पिआरे नेह ॥८३॥

सार: अस्तित्व मूल्यवान है, यह अमूर्त चेतना को मूर्त रूप के माध्यम से स्वयं को अनुभव करने का अवसर प्रदान करता है। हमारी इंद्रियों के माध्यम से, मन प्रकृति, विचारों और भावनाओं में जीवन की अनगिनत अभिव्यक्तियों से रूबरू होता है। प्रत्येक अनुभव एक दर्पण की तरह कार्य करता है जिसके माध्यम से चेतना स्वयं को समझती और पहचानती है। जैसे एक यात्री को विविध और सुंदर दृश्यों को देखने का अवसर मिलता है, वैसे ही प्रत्येक क्षण हमारी अनुभूति को गहरा करने और अस्तित्व को निर्मित करने वाले रूपों के विशाल अंतर्संबंध में सचेत रूप से भाग लेने का अवसर प्रदान करता है।

फरीदा उमर सुहावड़ी संगि सुवंनड़ी देह ॥
फ़रीद कहते हैं कि जीवन की अवधि आनंदमय है और इसके साथ ही मूल्यवान और आकर्षक शरीर भी मिलता है। यह अनमोल अस्तित्व पर ज़ोर देता है जो हमें जागरूकता प्राप्त करने और जीवन के विभिन्न रूपों के साथ जुड़ने का अवसर प्रदान करता है।

विरले केई पाईअनि जिंन्हा पिआरे नेह ॥८३॥
बहुत ही कम लोग इस अवस्था को प्राप्त कर पाते हैं, वह लोग, जिनके हृदय में उस प्रिय 'परम-सत्य' की तरफ़ सच्चा प्रेम होता है। यह 'आंतरिक जुड़ाव' की दुर्लभता को उजागर करता है क्योंकि अक्सर लोग अपना पूरा जीवन इस अनुभव को महसूस किए बिना ही बिता देते हैं। (८३)

तत्त्व: गुरु अर्जन, शेख़ फ़रीद की विचारधारा की ओर ध्यान दिलाते हुए बताते हैं कि 'आंतरिक जुड़ाव' अत्यंत दुर्लभ है, बहुत से लोग बाहरी दुनिया में तो व्यस्त रहते हैं लेकिन अपने ही अंतर्मन की गहराइयों से दूर बने रहते हैं। वह सोचते हैं, बोलते हैं और काम भी करते हैं, फिर भी शायद ही कभी रुककर अपने अनुभवों के मूल-तत्व को समझने का प्रयास करते हैं। यह ठीक वैसा ही है, जैसे कोई व्यक्ति अपना पूरा जीवन घर के आँगन में ही बिता दे और कभी भी घर के सबसे भीतरी कक्ष में प्रवेश न करे। यद्यपि आंतरिक निकटता की संभावना हर किसी के भीतर विद्यमान होती है, फिर भी वास्तव में इसका अनुभव बहुत कम लोग ही कर पाते हैं। इसी दुर्लभता के कारण ऐसे जुड़ाव अत्यंत मूल्यवान बन जाते हैं, यह सभी के लिए उपलब्ध होते हैं परंतु इनका वास्तविक अनुभव केवल कुछ ही सौभाग्यशाली लोगों को ही हो पाता है।

सबद व्याख्या **विनइंदर कौर** और **अमरदीप सिंह**

Oneness In Diversity Research Foundation

वेबसाइट: OnenessInDiversity.com

ईमेल: onenessindiversityfoundation@gmail.com